तर्ज- मुझे इश्क है तुम्हीं से
निसवत से मिल गए हैं,मेरे साहेब मेरे स्वामी
हादी के कदमों चलना,ये बंदगी रूहानी
पहचान दे के अपनी,हम पर की मेहरबानी
हादी के..

1- छोड़ा नहीं अर्श को,और खेल में भी आईयां
बैठी तले कदम के,तुमसे जुदा भी होईयां
आकर बिसर गए हैं,जलवे तेरे नूरानी

2- जिस इश्क लाड में हम,तुम्हें पीठ देके आए
वो ही इश्क लाड देने,नासूत में हो आए
तेरे इश्क के बिना थी,उम्मत तेरी विरानी

3- जागो अणे जगाओ,फुरमान यह धनी का
सब साथ को जगाना,यह काम जागनी का
फुरमान सुन के दौड़े,मोमिन की यह कुरबानी

4- माशूक के हुकम पर,आशिक फ़ना हों ऐसे
दीपक को देख करके,जलता पतंगा जैसे
पीछा न मुड़ के देखे,ये इश्क की निशानी

Nijanand App